वाट क्षमता के एन्टना लगा कर दूरदर्शन केन्द्र कोटा में स्थापित किया जा सकता है। इस टावर लगाने का खर्चा भी मात्र 2 लाख रुपया ही है। ऐसा अनुमान है मकान वगैरह सब बनाने के केवल 5 5 लाख रुपय का खर्चा है। इस के लगने से कोटा तथा उस क आसपास के 50 किलोमीटर में स्थित रावतभाटा, रामगंज मंडी, बारां, केसोरामपाल, लाखरी, की परिधि के 300 से 400 गांवो तथा कस्बों के 5 या 6 लाख से अधिक आबादी के व्यक्ति टेलिविजन देख सकेंगे । एशियाड के समय माइक्रोवेव टावर से कई शहरो को जोड़ा गया तथा कोटा जैसे राजस्थान के औद्योगिक नगर की उपेक्षा दुःख का विषय रही । अतः भारत सरकार इस ओर ध्यान दें ।

राजस्थान के दक्षिणी भाग के व्यक्ति भी इस परिधि में आए अतः इन्सेट 1 बी के समय चित्तौडगढ भीलवाड़ा तथा उदयपुर को इस परिधि में लिया जा सकता है । चित्तौडगढ़ इन दोनों बड़े नगरों के बीच में है। उस की पहाड़ियों पर माइक्रोवेव टावर लगा कर इस क्षेत्र की जनता को भी टेलिविजन देखने को मिल सकता है। अतः सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगी ।

12.28 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

(ii) DEMAND FOR PROVIDING MARKET ABROAD FOR CASHEWNUTS FOR BENEFIT OF FARMERS OF KERALA.

PROF. P. J. KURIEN (Mavelikara): Sir, the cashew industry in Kerala is facing a serious crisis due to the accumulation of stock and the resultant crash in prices. Thousands of workers and their families are facing starvation as cashew factories are being closed down.

The sudden crisis has come about as a result of the virtual withdrawal of the Soviet Union from the market. Last year, the Soviet Union purchased about 21,183 tonnes of cashew out of a total of 29,449 tonnes exported. The industry was hoping to get repeat order from Soviet Union this year also. But this has not happened.

The other importing countries such as U.S.A., and other countries in Europe have substantially dropped their import, over a period of time. Moreover, vigorous competition from other countries has virtually purchased us out of the international market.

The above situation has caused a steep fall in the price of processed as well as raw cashew. In the international market, the price of processed cashew has come down to 180 cents from 260 cents per pound. In Kerala, the floor price for raw cashew had to be fixed at Rs. 4 a kilogram which was Rs. 8 last year. The cashew growers are very much distressed over this development.

Therefore, in order to save the workers and their families from starvation and to save this foreign-exchange-earnings industry from total ruin and to save the interest of the growers, I urge upon the Prime Minister to prevail upon the Soviet Union to come forward and resume purchase of cashew without any further delay.

(iii) ATTACK ON JOURNALISTS

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, देश के विभिन्न पत्रकारों पर हो रहे हमले गंभीर चिंता के विषय हैं क्योंकि लोकतांत्रिक प्रणाली में स्वतंत्र, निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता लोकतंत्र के आधार को जहां पुष्ट करती है वहीं सामान्य जन के हितों की रक्षा भी करती है किन्तु यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश के अनेक राज्यों में पत्रकार असुरक्षित हो गये है जिससे स्वतंत्र अभिव्यक्ति का संवैधानिक अधिकार भी खतरे में पड़ गया है । अभी कुछ जगहों पर ऐसी घटनायें हुई भी हैं । पूर्वी उत्तर प्रदेश में प्रायः पत्रकारों पर हमले होते है जिनमें पुलिस

[श्री हरिकेश बहादुर]

के कुछ कर्मचारियों के भी हाथ होने की आशंका व्यक्त की जाती है। उदाहरण के लिये बस्ती जिले के महुली थाने में एक पत्रकार पर हुआ आक्रमण और देवरिया जिले में एक पत्रकार की हत्या। इस प्रकार सरकारी तंत्र पत्रकारों को सुरक्षा प्रदान करने में पूर्णतः असफल है। मैं गृह मंत्री जी से अपील करूंगा कि वे इन घटनाओं की सी० बी० आई० द्वारा जांच करायें और सम्पूर्ण देश में पत्रकारों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिये प्रभावी कदम उठायें ताकि अपराधियों को पकडा और दंडित किया जासके।

(iv) DIFFICULTIES FACED BY SUGARCANE GROWERS

प्रो० अजित कुमार मेहता (समस्तीपुर): उत्तर बिहार की कई चीनी मिलों में ईख की पेराई बहुत बाद में आरंभ हुई है। समस्तीपुर, लोहट सकड़ों आदि मिलों में भी पेराई बहुत देर से आरंभ की है। उस पर तुर्रा यह है कि मशीनो के आधुनिकीकरण के अभाव में कई मिले हफ्ते में कई दिन खराब हो जाने के कारण मरम्मत के लिये बन्द कर दी जाती हैं। परिणामस्वरूप गाड़ी पर लदा ईख तौल की प्रतीक्षा में कई दिन तक खड़ा सूखता रहता है। ईख तो सूखता ही है, गाड़ी के बैल तथा गाड़ीवान भी परेशान रहते हैं। तौल कांटे पर ईख बबाने वाले से भी रक्षा का कोई प्रबन्ध नहीं रहता। मिलों की देर से पेराई शुरू करने और बीमार मशीनों के कारण खेत में गन्ने सूख रहे हैं और ऐसा लगता है कि इस वर्ष खड़ी फसल को खेत में ही जलाने के लिये किसानों को बाध्य होना पडा। फसल को सूखते देख किसान मिलों को ईख देने की पुर्जी पाने के लिये अलग से परेशान रहता है। उसे मुसीबत में देखे कर पुर्जी बनाने वाले अधिकारी अपनी मनमानी पर किसानों को अलग से लूट रहे हैं। इस धांधली के कारण बहुत से किसानों के खेत से इस वर्ष एक गाड़ी भी ईख नहीं कटी है। किसानों की तो दोहरी मुसीबत है। एक तो उसे फसल खेत में सूख जाने का डर सता रहा है, दूसरी ओर लोहट आदि कई मिलों में उसके पिछले बकाये का भुगतान नहीं हुआ है नई फसल की कीमत की तो बात ही क्या। यह कैसी बिडम्बना है कि उसे ईख उपजाने के लिये मिला कर्ज तो सूद के कारण बढ़े रहा है पर उसका बकाया न तो भुगतान किया जा रहा है और उन उप पर उसे कोई सूद दिया जाता है। इस पर भी ईख की कीमत रिकवरी दर पर निर्धारित करने का दावा किया जा रहा है, पुरानी, बीमार मशीनों से तथा गन्ने को सूखा कर पैरने से रिकवरी दर कैस बढ़ेगी। अतः सरकार से मांग करता हूं कि कम से कम पूरी फसल की पेराई का प्रबन्ध तो किया ही जाय। उचित कीमत का भुगतान भी शीघ्र कराया जाये।

(v) NEED FOR EFFECTIVE MEASURES FOR LAND SUBSISDENCE IN JHARIA COAL-FIELDS

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER (Durgapur): Sir, under rule 377, I raise the following matter of public importance.

Due to unscientific mining in Asansol Sub-Division of West Bengal and Dhanbad, Jharia of Bihar, large parts of the above-mentioned places are subsiding. Previous private coal mine owners and the Central Government, after nationalisation of coal mines, violated the mine safety rules. After mining from several hundreds of underground mines, they did not fill up mines by sands according to safety rules. As a result of violation of safety rules, large area of Asansol ub-Division, including thickly populated Raniganj, Barakar and Jharia towns are cracking and large parts of cultivable land of rural area are dangerously subsiding. For this ground-water level is going down; ponds and wells are drying